an>

Need to conduct a probe into the misappropriation of National Disaster Fund meant for disbursement to farmers who lost their crops due to hailstorms in Jalaun Parliamentary Constituency, Uttar Pradesh.

श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा (जालौन) ः मेरे संसदीय क्षेत्र जालौन गरौठा भोगनीपुर के जनपद जालौन के अंतर्गत 2014-15 में जो ओलावृष्टि हुई थी, उसमे किसानों को 2015 में जो राशि वितरित की गई, जिसमें किसानों को 9000 रूपये से लेकर 18000 रूपए तक राष्ट्रीय आपदा राहत कोष द्वारा दिये गये थे। प्रदेश सरकार द्वारा नियमों के विरूद्ध जो लघु व लघु सीमांत एवं वृहद् किसानों को जो धन मुहैया कराया जाना चाहिए था, वह नहीं किया गया था। कुछ किसानों को अभी तक पहली किश्त भी मुहैया नहीं कराई गई है, कुछ गांवों में नियमों से हटकर धनराशि वितरित की गई। कोंच तहसील के अंतर्गत तो यहां तक कथित धांधली हुई कि जो किसान नहीं थे, उन्हें फर्जी किसान बनाकर राजस्व अधिकारियों की मिलीभगत से उनके खाते में पैंतीस हज़ार रूपए की तीन किश्तें उनको भेज दी गई थी। कुल मिलाकर 35 से 40 लाख रूपए तक घोटाला किया गया, इस घटना में कई लोग गंभीर एवं संवदेनशील विषय में जांच में दोषी पाये गये। जिसमें कुछ अधिकारी जेल गये।

अतः मेरी केंद्र सरकार से मांग है कि राष्ट्रीय आपदा राहत कोष के हुए दुरूपयोग की उच्च स्तरीय केंद्रीय जांच समिति से जांच कराने का कष्ट करें, जिससे किसानों को न्याय मिल सके।